ध्येय पथ

सत्र:– 2025–26

(जुलाई–माह)

सम्पादक– श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
श्रीमती विभा सिंह
श्री हरिकेश यादव

MAHARANA PRATAP P.G. COLLEGE

Jungle Dhusan, Gorakhpur Uttar Pradesh 273014

website : www.mpm.edu.in Email. : mpmpg5@gmail.com

शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक (प्रथम दिवस)

03 जुलाई को 'शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक' का आयोजन किया गया। बैठक के प्रथम दिवस प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने सत्र् 2025–26 की कार्य योजना पर विचार–विमर्श किया। बैठक में गत वर्ष के कार्य की योजना की समीक्षा की गई। तत्पश्चात् वर्तमान सत्र् 2025–26 के प्रवेश परीक्षा पठन–पाठन एवं दायित्व सह–कार्य विभाजन पर रणनीति बनाई गई। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर प्रकाश डाला गया।

शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक (द्वितीय दिवस)

04 जुलाई को 'शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक' में प्रयोगशाला, छात्रसंघ, प्रार्थना सभा, क्रीड़ा, वेबसाइट, ध्येय–पथ,निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई, नवाचार आदि विषयों पर गहन विचार–विमर्श किया गया एवं योजना बनाई गयी। योजना बैठक में श्रीमती शिप्रा सिंह, डॉ0 इक्ष्वाकु प्रताप सिंह, श्री अनूप पाण्डेय सहित अनेक शिक्षकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने की।

ऑडिटोरियम (भूमि–पूजन)

04 जुलाई को महाविद्यालय में बहुप्रतीक्षित ऑडिटोरियम के निर्माण हेतु भूमि पूजन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि पूर्वक भूमि पूजन किया। भूमि पूजन के उपरान्त प्रसाद वितरण किया गया।

शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक (तृतीय दिवस)

05 जुलाई को 'शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक' के तीसरे दिन पाठ्यक्रम योजना का शत् प्रतिशत पालन, कक्षाध्यापन, अनुशासन, नियन्ता मंण्डल एवं शिक्षक आचार संहिता आदि विषयों पर गहन परिचिर्चा किया गया। तीन दिन तक चली शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में सम्पूर्ण विषयों की कार्ययोजना से सम्बन्धित लिए गए निर्णय को प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने प्रस्तुत किया। तीन दिनों के विचार विमर्श और अनेक सुझावों के आलोक में सत्र् 2025–26 के लिए महाविद्यालय की वर्षिक योजना एवं शैक्षिक पंचांग को निर्मित किया गया।

स्नातक प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ–

07 जुलाई को स्नातक प्रवेश प्रक्रिया सत्र् 2025–26 के प्रथम दिन ही प्रथम वरीयता सूची के प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लेने के लिए भारी संख्या में प्रवेशार्थी उपस्थित हुए। प्रवेश प्रक्रिया के सम्बन्ध में प्रवेश संयोजक डॉ0 इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने उपस्थित प्रवेशार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम –

07 जुलाई को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'वृक्षारोपण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों द्वारा आम, सागौन तथा नींबू के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 आरती सिंह एवं डॉ0 अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

पौधरोपण कार्यक्रम –

09 जुलाई को बी0 एड्0 विभाग के तत्वावधान में 'पौध रोपण महाअभियान– 2025' के अवसर पर ''एक पेड़ माँ के नाम'' के अन्तर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी0 एड्0 विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह के साथ विभागीय शिक्षकों ने पीपल, नीम, आम, जामुन आदि पौधों का रोपण किया। इसी क्रम में रोवर्स–रेंजर्स के द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें समस्त स्वयंसेवक एवं सेविकाएं

उपस्थित रही। कार्यक्रम का संयोजन रोवर्स–रेंजर्स के प्रभारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

छात्र–संघ कार्यकारिणी बैठक –

14 जुलाई को छात्रसंघ के द्वारा में कार्यकाराणी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पठन–पाठन, अनुशासन, प्रवेश, छात्रसंघ इत्यादि की समीक्षा करते हुए आगामी योजना पर विचार– विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय की अकादमिक प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

शिक्षक बैठक –

15 जुलाई को पठन–पाठन से सम्बन्धित शिक्षकों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई बैठक में शैक्षणिक गुणवत्ता, नवाचार, शिक्षण सामग्री और संसाधनों की उपलब्धता पर विशद मंथन करते हुए। पुस्तकालय, स्मार्टक्लास, प्रयोगशाला, पठन–पाठन, अनुशासन, प्रगति आख्या, शिक्षक स्वमूल्यांकन तथा समय–सारणी आदि विषयों पर चर्चा किया गया। बैठक कि अध्यक्षता महाविद्यालय की अकादमिक प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

शैक्षिक सत्र् 2025–26 प्रारम्भ –

16 जुलाई को प्रार्थना सभा के प्रथम दिवस पर भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 विजय कुमार चौधरी ने नवांगतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हे महाविद्यालय की परिसर संस्कृति और शैक्षिक वातावरण से अवगत कराया।

विद्यार्थी पदोन्नति –

16 जुलाई को महाविद्यालय की एन0सी0सी0 कैडेट सुश्री शीलू मिश्रा का 45वीं यू0पी0 बटालियन एन0सी0सी0 में जी0सी0आई0 के पद पर चयन हुआ। यह सफलता उन्हे तीन चरणों में चले साक्षात्कार के बाद हासिल हुई। इस अवसर पर एन0सी0सी0 प्रभारी लेफ्टिनेन्ट रमाकान्त दूबे ने शुभकामनाएं प्रदान की।

त्रिदिवसीय कार्यशाला (प्रथम दिवस)–

16 जुलाई को बी0एड्0 विभाग के तत्वावधान में स्कूल इंटर्नशिप विषय पर त्रिदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस पर प्रथम सत्र् में मुख्य वक्ता के रूप में बी0एड्0 विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यशाला के द्वितीय सत्र् में बी0एड्0 विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र कुमार सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन बी0एड्0 विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

त्रिदिवसीय कार्यशाला (द्वितीय दिवस)–

17 जुलाई को बी0एड्0 विभाग के द्वारा स्कूल इंटर्नशिप विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन कार्यक्रम में बी0एड्0 विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र कुमार सिंह में अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन बी0एड्0 विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

नेल्सन मंडेला जयंती –

18 जुलाई को प्रार्थना सभा में 'नेल्सन मंडेला जयंती' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गृह विज्ञान की सहायक आचार्य डॉ0 अवंतिका पाठक नें अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से नेल्सन मंडेला जी को हार्दिक श्रृद्धा सुमन अर्पित किया।

त्रिदिवसीय कार्यशाला (तृतीय दिवस)–

18 जुलाई को बी0एड्0 विभाग के तत्वावधान में स्कूल इंटर्नशिप विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय कार्यशाला के समापन के अवसर पर प्रथम सत्र में बी0एड्0 विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र कुमार सिंह ने स्कूल इंटर्नशिप के तहत प्रविष्टि एवं अन्तिम व्यवहार, मूल्यांकन, बोधात्मक, एवं पुनरावृत्तिक प्रश्न निर्माण पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यशाला के दूसरे सत्र में बी0एड्0 विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ति गुप्ता ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। इसी क्रम में तृतीय सत्र में बी0एड्0 विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह एवं डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन बी0एड्0 विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

पौधरोपण कार्यक्रम –19 जुलाई को 'मिशन मंझरिया' के अन्तर्गत बी0एड्0 विभाग द्वारा अभिग्रहित ग्राम मंझरिया में विभागीय शिक्षकों और छात्राध्यापकों द्वारा ग्रामीणों को सामुदायिक सहभागिता, जन जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही फलदार वृक्ष के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का संयोजन मिशन मंझरिया की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम –

19 जुलाई को प्रार्थना सभा में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ0 सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने योग के महत्व और दैनिक जीवन में योग की उपयोगिता को बताते हुए योगाभ्यास कराया।

यू.जी.सी. नेट परीक्षा 2025 –

22 जुलाई को महाविद्यालय के पूर्व छात्र श्री दीपचंद ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट/जे आर एफ) में भूगोल विषय से 98.21 परसेंटाइल अंक प्राप्त का उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार ने उन्हे हार्दिक बधाई प्रदान की।

राष्ट्रीय आम दिवस–

22 जुलाई को 'राष्ट्रीय आम दिवस' के अन्तर्गत गृह विज्ञान विभाग के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हापुस, सिंधुरा, दशहरी, आदि विभिन्न प्रकार के आम के पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर गृह विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने आम के गुणों के विषय में उपस्थित शिक्षक और विद्यार्थियों का बताया। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ0 अवन्तिका पाठक ने किया।

बाल गंगाधर तिलक जयन्ती एवं चन्द्रशेखर आजाद जयन्ती—

23 जुलाई को प्रार्थना सभा में 'बाल गंगाधर तिलक जयन्ती एवं चन्द्रशेखर आजाद जयन्ती' के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ0 रमाकान्त दूबे ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार सहित द्वै महान विभूतियों को हार्दिक श्रृद्धा सुमन अर्पित किया।

कारगिल विजय दिवस

26 जुलाई को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग तथा एन0सी0सी0 के संयुक्त तत्वावधान में 'कारगिल विजय दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में राजकीय महाविद्यालय, सुकरौली बाजार, कुशीनगर के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 कृष्ण कुमार पाठक ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ0 विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम का संयोजन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ0 रमाकान्त दूबे ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

28 जुलाई को महाविद्यालय में रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के बी0एड्0 विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र प्रजापति ने

अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन रोवर्स/रेंजर्स प्रभारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

पौधरोपण कार्यक्रम

28 जुलाई को भूगोल विभाग द्वारा 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों और शिक्षको ने औषधीय पौधें लगाये। कार्यक्रम का संयोजन भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ0 शालू श्रीवास्तव ने किया।

प्रमाण पत्र वितरण समारोह

31 जुलाई को एन.सी.सी. द्वारा 45वीं यू0पी0 बटालियन, गोरखपुर से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके कैडेट्स हेतु प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में 45वीं यू0पी0 बटालियन, गोरखपुर के सुबेदार मेजर राकेश कुमार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में बी0एच0एम0 रेशम शाही का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम का संयोजन एन.सी.सी. प्रभारी ले0 रमाकान्त दूबे ने किया।

मुंशी प्रेमचन्द जयन्ती

31 जुलाई को प्रार्थना सभा में 'मुंशी प्रेमचन्द जयन्ती' के अवसर पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ0 आरती सिंह ने मुशी प्रेमचन्द जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया साथ ही महाविद्यालय परिवार की ओर से मुंशी प्रेमचन्द्र जी को हार्दिक श्रृद्धासुमन अर्पित कीं।

दीपचंद ने नेट परीक्षा में अर्जित की सफलता

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के पूर्व छात्र दीपचंद ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट/जेआरएफ) में भूगोल विषय से 98.21 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

दीपचंद की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कहा कि दीपचंद की यह सफलता संस्थान के लिए गर्व का विषय है और वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत भी। दीपचंद ने अपनी सफलता का श्रेय महाविद्यालय के शिक्षकों एवं परिवारजनों के मार्गदर्शन और आशीर्वाद को दिया।

एमपी पीजी कालेज में आज से शुरू होंगी कक्षाएं

गोरखपुर : महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में मंगलवार को पठन-पाठन से सम्बंधित शिक्षकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय की अकादमिक प्रभारी शिप्रा सिंह ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक गुणवत्ता को सुनिश्चित करना और उसमें नवाचार के साथ सुधार करना रहा। इस दौरान गत सत्र की शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा शिक्षण सामग्री और संसाधनों की उपलब्धता पर विशद मंथन हुआ। साथ ही 16 जुलाई से कक्षाओं के संचालन का निर्णय लिया गया।

स्नातक प्रवेश के लिए द्वितीय वरीयता सूची जारी

जंगल धूसड (गोरखपुर)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, में 07 जुलाई से सत्र- 2025-26 हेतु स्नातक एवं परास्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया गतिमान है। गत दिवसों में प्रथम वरीयता सूची के प्रवेशार्थियों द्वारा भारी संख्या में प्रवेश लिया गया। प्रवेशार्थियों ने स्नातक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संवर्ग में प्रवेश सुनिश्चित करवाया। स्नातक प्रवेश प्रक्रिया के सम्बन्ध में प्रवेश संयोजक डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने कहा कि स्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु द्वितीय वरीयता सूची 12 जुलाई को महाविद्यालय के सूचना-पट्ट पर जारी कर दिया गया है, जिनका प्रवेश आगामी 14 जुलाई ,2025 से प्रारंभ होगा।

नियमों से निखरेगा माहौल, छात्रों के हित में महाविद्यालय की बड़ी पहल

-परिसर में हेडफोन के साथ बाहरी छात्रों का प्रवेश प्रतिबंधित,पहचान पत्र अनिवार्य
-प्रवेश से लेकर पुस्तकालय तक,अब हर कदम पर अनुशासन जरूरी
-बिजली-पानी की बचत, पौधों के लिए भी सुरक्षा का संदेश

शाश्वत राम तिवारी
सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। महराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ द्वारा हाल ही में जारी किए गए 11 बिंदुओं वाले सामान्य दिशा-निर्देश छात्र जीवन के भीतर अनुशासन, स्वच्छता और जिम्मेदारी की पुनर्स्थापना की दिशा में एक सराहनीय कदम हैं। यह निर्देश केवल नियमों की सूची नहीं, बल्कि एक सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण की नींव हैं, जो आने वाले समय में छात्रों को बेहतर नागरिक बनाने में मदद करेंगे। आज जब छात्र जीवन में अनुशासन शिथिल होता जा रहा है, और डिजिटल माध्यमों ने ध्यान भटकाने के नए रास्ते खोल दिए हैं, ऐसे समय में यह दिशा-निर्देश समय की मांग हैं। हेडफोन और ईयरफोन पर रोक, खाली समय का पुस्तकालय में उपयोग, परिसर में स्वच्छता और पौधों की सुरक्षा जैसे निदेशों में प्रशासन की संवेदनशीलता और दूरदर्शिता झलकती है। बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक और पहचान पत्र की अनिवार्यता, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती देती है। यह निर्णय विशेषकर छात्राओं की सुरक्षा और कॉलेज की शैक्षणिक शांति बनाए रखने के लिए आवश्यक है। इसी तरह वाहन पार्किंग की सुव्यवस्था और ताले की हिदायत, छात्रों को व्यवस्थित और जिम्मेदार नागरिक बनने का अभ्यास कराती है।महाविद्यालय प्रशासन ने बिजली और पानी जैसे संसाधनों को ह्लराष्ट्रीय संपत्तिह्व कहकर छात्रों में जो भाव पैदा किया है, वह सराहनीय है। यह सोच केवल कॉलेज तक सीमित नहीं, बल्कि देश और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को जगाने वाली है। इन सभी प्रयासों का मूल उद्देश्य एक ही है—छात्र केवल विषयों की जानकारी न लें, बल्कि अनुशासन, संयम और सामाजिक समझ के साथ आगे बढ़ें। यह दिशा-निर्देश सिर्फ पालन के लिए नहीं, बल्कि समझ के साथ आत्मसात किए जाएं, तो यकीनन कॉलेज से निकलने वाले छात्र सिर्फ डिग्रीधारी नहीं, बल्कि समाज के जागरूक और संवेदनशील नागरिक बनेंगे। इस निर्णय के लिए महाविद्यालय प्रशासन बधाई का पात्र है। उम्मीद की जानी चाहिए कि अन्य शिक्षण संस्थान भी इससे प्रेरणा लेंगे और अपने-अपने परिसर में ऐसा ही अनुशासित, सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण बनाने की पहल करेंगे।

"जब हम कॉलेज को अपना मानते हैं, तो उसकी गरिमा, स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखना भी हमारी जिम्मेदारी बनती है। यह दिशा-निर्देश थोपे नहीं गए हैं, बल्कि मिलकर एक बेहतर माहौल बनाने की कोशिश हैं।"

डॉ० शिव कुमार बर्नवाल, मुख्य नियंता, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़

IV दैनिक जागरण गोरखपुर, 5 जुलाई, 2025

एमपी कालेज जंगल धूसड़ में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

जासं, गोरखपुर : महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में सत्र 2025-26 के लिए स्नातक व परास्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है।

इस क्रम में महाविद्यालय में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों की प्रथम वरीयता सूची सूचना पट्ट पर जारी कर दी गई है।

प्रवेश संयोजक डा. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में नवागत अभ्यर्थियों के प्रवेश के लिए गठित प्रवेश समिति पूरी ऊर्जा के साथ अभ्यर्थियों के प्रवेश प्रक्रिया को सरल एवं सहज बनाने हेतु क्रियाशील है।

प्रवेश प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि प्रथम वरीयता सूची के विद्यार्थियों का प्रवेश सात जुलाई से प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह 10 बजे से शाम तीन बजे के बीच संपन्न होगा। अर्ह अभ्यर्थी इस दौरान अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर प्रवेश सुनिश्चित कर सकते हैं।

IV दैनिक जागरण गोरखपुर, 16 जुलाई, 2025

एमपी पीजी कालेज में आज से शुरू होंगी कक्षाएं

गोरखपुर : महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में मंगलवार को पठन-पाठन से सम्बंधित शिक्षकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय की अकादमिक प्रभारी शिप्रा सिंह ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक गुणवत्ता को सुनिश्चित करना और उसमें नवाचार के साथ सुधार करना रहा। इस दौरान गत सत्र की शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा शिक्षण सामग्री और संसाधनों की उपलब्धता पर विशद मंथन हुआ। साथ ही 16 जुलाई से कक्षाओं के संचालन का निर्णय लिया गया।

वीरता,सेवा और समर्पण से करें राष्ट्र का निर्माण–डा.कृष्ण कुमार पाठक

जंगलधूसड़ (गोरखपुर)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग तथा एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस के अवसर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में राजकीय महा विद्यालय, सुकरौली बाजार, कुशीनगर के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कृष्ण कुमार पाठक बतौर मुख्य वक्ता उपस्थिति रहें।

डा.पाठक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि कारगिल विजय दिवस बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। यह हमें न केवल देशभक्ति की प्रेरणा देता है, बल्कि यह शहीद सैनिकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का भी अवसर है। 1999 में भारत और पाकिस्तान के बीच 60 दिनों तक चलने वाले इस युद्ध में 26 जुलाई को भारत कारगिल पर अधिकार करने में सफल हो सका।

♦कारगिल विजय दिवस युवाओं में जगाती है देशभक्ति की अलख–लेफ्टिनेंट रमाकांत दूबे ♦कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को नमन करते हुए प्रेरणादायक व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित

इस कारगिल युद्ध में भारत के लगभग 500 जवान शहीद हुए थे। जिनके सम्मान में यह दिवस मनाया जाता है। उन्होंने आगे बताया कि वर्ष 1998 – 99 की सर्दियों में पाकिस्तानी सशस्त्र बलों ने कारगिल, लद्दाख के द्रास व बटालिक सेक्टर में NH1A पर स्थित किलेबंद ठिकानों पर कब्जा करने के लिए नियंत्रण रेखा के पार गुप्त रूप से सैनिकों को प्रशिक्षित एवं तैनात किया। भारतीय सैनिकों ने पहले तो इन घुसपैठियों को आतंकवादी या जिहादी समझा लेकिन जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि यह हमला पाकिस्तान का एक सुनियोजित अभियान था। डॉ. पाठक ने यह भी कहा कि यह युद्ध वर्ष 1999 की गर्मियों में कारगिल सेक्टर में मश्कोह घाटी से लेकर तुरकुत तक फैली 170 किमी लंबी पर्वतीय सीमा पर लड़ा गया था, जो भारतीय सेना के वीरता और शौर्य का प्रतीक है। उद्बोधन के दौरान मुख्य वक्ता ने 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना के अदम्य साहस, वीरता एवं बलिदान की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्रसेवा की भावना से ओतप्रोत होने का भी संदेश दिया। इससे पूर्व व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारंभ भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ विजय कुमार चौधरी द्वारा मुख्य वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंटकर उन्हें सम्मानित कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन एन.सी.सी. कैडेट सुश्री सत्या गुप्ता ने किया तथा ए.एन.ओ. लेफ्टिनेंट रमाकांत दूबे ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस दौरान विभाग के सभी विद्यार्थियों सहित महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट्स उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा में नेहा सिंह ने लहराया परचम

जंगलधूसड़ (गोरखपुर)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के वाणिज्य विभाग की छात्रा सुश्री नेहा सिंह ने पं. दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर की एम.कॉम. प्रवेश परीक्षा – 2025 में प्रथम रैंक हासिल कर कॉलेज का मान बढ़ाया। सुश्री नेहा सिंह बी.कॉम. तृतीय वर्ष में सत्र 2024–25 में महाराणा प्रताप महा विद्यालय, छात्र संघ की कक्षा प्रतिनिधि भी रह चुकी हैं। साथ ही

एम.काम. प्रवेश परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त – नेहा सिंह

स्नातक परीक्षा में विशिष्टता के साथ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण – निदा फातिमा

महा विद्यालय की सुश्री निदा फातिमा ने बी.कॉम. अंतिम वर्ष की परीक्षा में इत्तक्क 8.64 प्राप्त कर विशिष्टता के साथ प्रथम श्रेणी में उर्त्तीण किया है। सुश्री निदा फातिमा बी.कॉम. द्वितीय वर्ष में महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के छात्र संघ 2023–24 की कक्षा प्रतिनिधि –वाणिज्य रह चुकी है। इस अवसर पर महा विद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं विभाग के शिक्षकों ने दोनों छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

वृक्ष हमारे जीवन का आधार

जंगलधूसड़(गोरखपुर)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के बी.एड. विभाग द्वारा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेलों की 150वीं जयंती के स्मरणोत्सव के अवसर पर मिशन मंझरिया के अंतर्गत अभिगृहित ग्राम मंझरिया में शिक्षकों, विद्यार्थियों द्वारा वृक्षारोपण,पर्यावरण संरक्षण आधारित सामुदायिक भागीदारी जन जागरूकता का कार्य किया गया।इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण एवं ग्राम मंझरिया को हरित और स्वच्छ बनाना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा वायु व जल को शुद्ध रखने, मिट्टी के कटाव को रोकने, जलवायु परिवर्तन को कम करने, जैव विविधता को बढ़ावा देने के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया

गया है। ग्रामीणों को यह संदेश दिया गया कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। यह कार्यक्रम केवल वृक्ष लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि हम सबकी यह नैतिक जिम्मेदारी है कि हम इन पौधों की नियमित देखभाल करें और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वायु और हरियाली प्रदान करें। विद्यार्थियों ने ग्रामवासियों को पौधरोपण के महत्व और उनके लाभ के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम वासियों ने मिलकर विभिन्न प्रकार के पौधे जैसे– आम, अमरुद, सागोन, अन्य औषधीय पौधों आदि का रोपड़ किया। वृक्षारोपण का यह कार्यक्रम ग्राम मंझरिया को पर्यावरणीय दृष्टि कोण से सशक्त, जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ। इस कार्यक्रम के संयोजन बी.एड. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह द्वारा किया गया।

एन.सी.सी. कैडेट शीलू मिश्रा का जी.सी.आई.के पद पर चयन

जंगलधूसड़ (गोरखपुर)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में संचालित एन.सी.सी. के लिए 16 जुलाई सत्रारंभ का दिन एक नई उपलब्धि का दिन रहा। पिछले सत्र में एन.सी.सी. कैडेट रही सुश्री शीलू मिश्रा को 45 वीं यू.पी. बटालियन एन.सी.सी. में जी. सी. आई. के पद पर चयन हुआ।

यह सफलता उन्हें तीन चरणों में चले साक्षात्कार के बाद हासिल हुई। पहले चरण का साक्षात्कार ऑन लाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुआ। दूसरे चरण में साक्षात्कार स्क्रीनिंग टेस्ट द्वारा रहा और अंतिम चरण में साक्षात्कार सेलेक्शन पैनल के द्वारा लिया गया। कैडेट शीलू मिश्रा ने तीनों साक्षात्कारों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना चयन सुनिश्चित किया। शीलू मिश्रा शुरू से ही एक मेधावी छात्रा रही हैं। उन्होंने महाराणा प्रताप महाविद्यालय से वर्ष 2025 में एन.सी.सी–सी प्रमाण पत्र की परीक्षा उत्तीर्ण किया है। वह रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विषय की विद्यार्थी भी रही हैं। एन.सी.सी. कैडेट के रूप में उन्होंने महा विद्यालय में सीनियर अंडर ऑफिसर के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके अतिरिक्त एनसीसी के विभिन्न शिविरों में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें याद किया जाता है। कैडेट शीलू मिश्रा की इस सफलता के लिए महा विद्यालय के एनसीसी प्रभारी लेफ्टि नेंट रमाकांत दूबे,महा विद्यालय के शिक्षक श्री विवेक विश्वकर्मा, डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह, डॉ. सत्येंद्र नाथ शुक्ला सहित समस्त शिक्षकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित किया।

ग्रामीण अवधारणा से वैश्विक सोच तक फैली जंगल धूसड़ के ज्ञान मंदिर की कहानी

– जहाँ शिक्षा केवल डिग्री नहीं, दिशा देती है –जंगल धूसड़ की पहचान

शाश्वत राम तिवारी

पूर्वांचल की धरती पर शिक्षा की लौ जब धुंधलके में डगमगाती थी,तब गोरखपुर के अति पिछड़े क्षेत्रों में शुमार जंगल धूसड़ में एक ज्ञान का दीपक जलाया गया,नाम था महाराणा प्रताप महाविद्यालय। आज यह संस्था मात्र एक दीपक नहीं,अपितु ज्ञान गंगा की एक धधकती मशाल बन चुका है, जो न केवल ज्ञान- विज्ञान का उजाला फैला रहा है, बल्कि विद्यार्थियों के आत्मबल,आत्मविश्वास और उनके भविष्य के आत्मनिर्भरता का केन्द्र बन गया है ।महाराणा प्रताप महाविद्यालय महज एक शैक्षणिक संस्थान नहीं,यह एक संकल्प है उस ग्रामीण क्षेत्र के विधार्थियों के लिए,जो उच्च शिक्षा के लिए कभी शहरों की ओर पलायन करते थे। इस महाविद्यालय ने स्थानीय युवाओं को उनके घर की चौखट पर ही विश्वस्तरीय उच्च स्तरीय शिक्षा देने का काम किया है ।कला,विज्ञान और वाणिज्य तीनों संकायों में सतत उत्कृष्टता का परिचय देते हुए इस महाविद्यालय ने यह सिद्ध किया है कि

संसाधन सीमित हो सकते हैं, लेकिन जब नीयत सही और प्रयास सबल हो तो परिणाम असाधारण होते हैं ।यहाँ के शिक्षक सिर्फ किताबें नहीं पढ़ाते,वे सही मायनों में स्वसंस्कृति एवं राष्ट्रीय भावना से ओत प्रोत विधार्थी गढ़ते हैं। यहाँ विद्यार्थी और शिक्षक के बीच संवाद सिर्फ शैक्षिक नहीं,अपितु आत्मिक होता है। यही कारण है कि छात्रों में विषय के प्रति उत्सुकता और जीवन एवं समाज के प्रति जिम्मेदारी दोनों बढ़ती है। महाविद्यालय का परिसर आज एक ऐसी जगह बन चुका है जहाँ अनुशासन सिर्फ नियम नहीं, बल्कि दैनिक जीवन और संस्कृति का अहम हिस्सा है। यहां की स्वच्छता,हरियाली, सकारात्मक वातावरण और आदर्श परिसर संस्कृति छात्रों के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऑडिटोरियम निर्माण से लेकर लाइब्रेरी सुदृढ़ीकरण तक,महाविद्यालय हर कदम पर प्रगति का प्रतीक बनता जा रहा है। यह अब सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं,बल्कि कार्यशालाओं, सेमिनारों और नवाचारों के कार्यक्रमों का हब बन चुका है ।महाविद्यालय का प्रशासन यह भली-भांति समझता है कि आज के छात्र सिर्फ डिग्री नहीं, दिशा चाहते हैं। यही कारण है कि करियर गाइडेंस, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और डिजिटल साक्षरता जैसे विषयों को भी समान प्राथमिकता दी जा रही है ।छात्र-छात्राओं को तकनीक,संचार कौशल और सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़ा जा रहा है, ताकि वे सिर्फ नौकरी पाने वाले नहीं, रोजगार देने वाले बन सकें। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ अब किसी परिचय का मोहताज नहीं। यह संस्थान उस परिवर्तन की कहानी है जहाँ शिक्षा महज प्रमाणपत्र नहीं,बल्कि चरित्र निर्माण का माध्यम बनी है। यह कॉलेज, पूर्वांचल के लाखों सपनों की उड़ान का रनवे बन चुका है। इस बदलते दौर में जब शिक्षा संस्थान खुद को व्यावसायिक मॉडल में ढाल रहे हैं,तब महाराणा प्रताप महाविद्यालय एक ऐसी मिसाल है,जो बताता है कि जब 'मिशन' हो 'कमीशन' नहीं, तब ही शिक्षा सच्चे अर्थों में समाज का निर्माण करती है ।जंगल धूसड़ अब शिक्षा का दीपक नहीं,प्रकाश-स्तंभ बन चुका है और इसकी यह चमक आने वाले समय में और तेज होगी—यही हमारी कामना है, और यही अपेक्षा।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में कल से कक्षाएं प्रारम्भ

◆शिक्षकों की बैठक में पठन-पाठन योजना पर व्यापक विचार-विमर्श, नवाचार पर दिया गया जोर

जंगलधूसड़ (गोरखपुर)।महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में पठन पाठन से सम्बंधित शिक्षकों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय की अकादमिक प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक गुणवत्ता को सुनिश्चित करना और उसमें नवाचार के साथ सुधार करना रहा। बैठक में गत सत्र की शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा शिक्षण सामग्री और संसाधनों की उपलब्धता पर विशद मंथन हुआ। पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास, लैब आदि की उपयोगिता और आवश्यकताओं पर भी चर्चा की गई। बैठक में 16 जुलाई से आरंभ हो रहे कक्षाओं और नए शैक्षिक सत्र के सफल संचालन हेतु पठन-पाठन, अनुशासन, पठन पाठन में तकनीकी के प्रयोग, प्रगति आख्या, शिक्षक स्वमूल्यांकन, समय सारणी, क्रीडा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में महा विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

भारतीय नभमण्डल के धार्मिक–आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षितिज के दैदीप्यमान नक्षत्र युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने पूर्वांचल के शैक्षणिक विकास एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, सनातन ज्ञान–विज्ञान एवं कौशल से ओत–प्रोत शिक्षा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की थी। सिद्ध गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय पूर्वांचल के शिक्षा क्षेत्र की एक अग्रणी संस्था है। महाविद्यालय के मासिक गतिविधियों का एक संक्षिप्त संकलन “ध्येय पथ” नाम से मासिक ई–पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसी क्रम में जुलाई माह की मासिक ई–पत्रिका ध्येय–पथ आप सभी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर